Dr. Vandana Suman
Associate professor
Dept. of Philosophy
H. D. Jain College, Ara
B.A - Part I Paper - II
Metaphysics and Epistemology

Notes GRB BOOKS

"Nutralism"
(अनुभयवाद)
(तटस्थवाद)

अनुभयवाद वह तत्वशास्त्रीय सिद्धान्त है जो मूल तत्वों की संख्या को अनेक मानता है लेकिन इसके स्वरूप को न तो भौतिक मानता है न आध्यात्मिक मानता है बल्कि दोनों से परे मानता है। चूंकि मूल तत्व को प्रकृति जड़ और चेतन दोनों से भिन्न है। दोनों में किसी के प्रति उसका झुकाव नहीं है। वह दोनों से Neutral है। अतः इस सिद्धान्त के अनुसार दोनों सामान्यतः सत्य है, इसलिए किसी एक का दूसरे में अन्तर्भाव करना उचित नहीं है। न तो जड़ की व्याख्या चेतन के आधार पर की जा सकती है न चेतन की व्याख्या जड़ के आधार पर। दोनों में इस प्रकार का अन्तर है कि कोई दूसरे का कारण या आधार नहीं बन सकता। दोनों की उत्पत्ति एक प्रकार के तत्व से हुई है जो इनसे भिन्न और प्राथमिक है। यही तत्व परमार्थ सत्ता है। चूंकि यह जड़ और चेतन दोनों से भिन्न है इसलिए इसे अनुभय कहा जाता है।

जड़ और चेतन की उत्पत्ति एक ही प्रकार के मूल तत्व से होती है किन्तु इसकी संख्या को अधिकांश अनुभयवादी अनेक मानते है। Neutral तत्व आपस में एक विशेष प्रकार से मिलते है तो Mind की उत्पत्ति होती है और दूसरे प्रकार

सुगम पास-बुक
AN EASY APPROACH TO GET SUCCESS IN U.P. BOARD EXAM

Notes

को मिलाते है तो Matter की उत्पत्ति होती है। जिसप्रकार रेखागणित के विभिन्न चित्रों को बनानेवाली रेखाएँ है पर इनके सजाने का तरीका अलग - अलग है। सबके निर्माणक तत्त्व एक ही है फिर भी इनकी बनावट में भिन्नता है। इसी प्रकार इनका कहना है कि मौलिक तत्व एक है। Neutral तत्व पर आगे जो भिन्न सम्बन्ध होते हैं उन भिन्न सम्बन्धों के कारण Mind and Matter पाये जाते हैं। Mind and Matter में कोई मौलिक अन्तर नहीं है उनका उद्गम एक ही है यह भेद जो दिखाई पड़ता है वह इन तत्वों के आपस के सम्बन्ध और combination का भेद है। दोनों एक ही तत्व के दो पहलू हैं।

इन विचारकों का कहना है कि इन Neutral तत्वों का अनुभव कर सकते हैं। यह हमारी अनुभव से परे नहीं है विश्व में ऐसा कोई भी पदार्थ नहीं जिसका उद्गम Neutral element न हो। समस्त विश्व अनुभव गोचर है।

मूलतत्त्व को अनुभव मानने के कारण 'अनुभववाद' भौतिकवाद प्रत्ययवाद और द्वैतवाद तीनों से भिन्न पड़ता है और अधिक

सुगम पास-बुक
AN EASY APPROACH TO GET SUCCESS IN U.P. BOARD EXAM

Notes
GRB BOOKS

सुलगमा हुआ है। भौतिकवाद Matter को परम तत्व मानते हैं प्रत्ययवाद Idea को चरम तत्व मानता है तथा द्वैतवाद Matter एवं Idea दोनों को चरमतत्व मानते हैं।

किन्तु इन सिद्धान्तों के द्वारा विश्व की व्याख्या नहीं हो सकती।

अनुभववाद जड़ चेतन के भेद को भौतिक या पारमार्थिक नहीं मानता है। इसके अनुसार दोनों का उद्गम एक है, दोनों का निर्माणक तत्व एक है। इसलिए पारस्परिक सम्बन्ध बिल्कुल स्वभाविक है। इसप्रकार जड़ चेतन की तात्विक एकता स्वीकार कर अनुभववाद द्वैतवाद की कठिनाइयों से बचता है और मूलतत्व को अनुभव मानकर भौतिकवाद प्रत्ययवाद की कठिनाइयों से।

अनुभववाद अत्यन्त ही आधुनिक सिद्धान्त है Ernst Mach, Avenarius, W. James Russell आदि अनुभववाद के समर्थक हैं। इनके अनुसार चरम तत्व Neutral है जिनकी संख्या अनेक है। एक विशेष ढंग से मिलने पर Matter की और दूसरे ढंग से मिलने पर Mind की उत्पत्ति होती है।

Mach, Avenerius James के अनुसार चरमतत्व शुद्ध अनुभव है जिसमें अनेक पदार्थ Neutral elements हैं तथा जड़ और चेतन

सुगम पास-बुक
AN EASY APPROACH TO GET SUCCESS IN U.P. BOARD EXAM

Notes

इस Reality के दो पहलू हैं। Holt, Parry के अनुसार चरम तत्व Neutral है। जड़ और चेतन में कोई मौलिक या आधारिक भेद नहीं है। क्योंकि दोनों के मूल में एक ही प्रकार के Neutral element हैं। Russel के अनुसार मूलतत्व प्रकृति में Neutral है और संख्या में अनेक है। अनुभवातीत Neutral element को events (दशा, स्थिति) कहते हैं।

Criticism — अनुभववाद कुछ विषयों में भौतिकवाद, प्रत्ययवाद और द्वैतवाद से श्रेष्ठ है। उसकी श्रेष्ठता यही है कि वह जड़ और चेतन दोनों में किसी की अपेक्षा नहीं करता वह दोनों को समान रूप से महत्वपूर्ण मानता है। इसलिए चेतन से जड़ या जड़ से चेतन की उत्पत्ति नहीं हो सकती। किन्तु इसका मतलब यह नहीं है कि इसमें कठिनाइयाँ नहीं हैं। यहाँ पर यह भी प्रश्न उठता है कि मूलतत्व जड़ और चेतन दोनों में विलक्षण है तो दोनों की उत्पत्ति उससे कैसे होती है? इस प्रश्न का उत्तर Neutralism की सफलता का निर्णायक है।

1. चरमतत्व Neutral है। पर भिन्न-भिन्न सम्बन्धों से जड़ और चेतन की उत्पत्ति होती है आलोचकों का कहना है कि शून्य से किसी वस्तु की उत्पत्ति नहीं

सुगम पास-बुक
AN EASY APPROACH TO GET SUCCESS IN U.P. BOARD EXAM

Notes
GRB BOOKS

हो सकती। मूल वैज्ञानिक नियम के प्रति कठोर हैं और Sense का वस्तु नहीं तो कौन करता है?

2. जड़ और चेतन की उत्पत्ति भिन्न-भिन्न तत्वों से होती है तो इन तत्वों की प्रकृति क्या है? इनके आपस के सम्बन्ध Purely Neutral नहीं है। पूर्ण Neutral के अतिरिक्त अभी कुछ और है जो इनका आपसी सम्बन्ध Purely Neutral नहीं है। अतः इन elements को हम Neutral नहीं कह सकते हैं।

3. यदि हम ठीक से इसकी परीक्षा करें तो Dualism में आते हैं Monism में नहीं। प्रकृति चाहे मानसिक होगी या भौतिक अथवा इन दोनों से परे होगी। इसलिए सम्बन्ध दो प्रकार के हो गये मानसिक और भौतिक। ये Realism द्वैत है इसलिए Prodna भी द्वैत है।

4. इन विचारकों के अनुसार इन Neutral element (अनुभव पदार्थों) का अनुभव कर सकते हैं अनुभव में कोई ऐसा पदार्थ नहीं है जो न भौतिक हो और न मानसिक। अनुभव में हम चाहे भौतिक तत्व पाते हैं या मानसिक, यह तो आत्मगत है या विषयगत है।

5. अनुभववादियों का कहना है कि चरमतत्व Neutral है और साथ ही साथ वे जड़ और चेतन को भी मानते हैं। किन्तु

सुगम पास-बुक
AN EASY APPROACH TO GET SUCCESS IN U.P. BOARD EXAM

यदि हम ऐसा मानते तो विश्व पूर्णतः अनुगम्य कहाँ रहा।

उपर्युक्त आलोचकों का यही निष्कर्ष होता है कि यह सिद्धान्त विश्व की समुचित व्याख्या करने में सफल नहीं है। इसलिए इस सिद्धान्त का समुचित विकास नहीं हो पाया है। इसके समर्थक वैसे दार्शनिक हैं। जो तत्व विज्ञान की ओर अपेक्षाकृत कम ध्यान देते हैं।